सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: 2026-27

कक्षा:-6 **विषय:हिन्दी** **पाठ-8**

बोलकर

(क) लेखक को टेम्पा से मिलकर बहुत अच्छा अनुभव हुआ। जैसे विदेश में अपनी मातृभाषा के दो शब्द सुनकर मन के तार झनझना जाते हैं, उसी प्रकार उन्हें उस तिब्बती लड़के के मुख से हिंदी सुनकर बहुत अच्छा लगा।

(ख) मानसरोवर के जल का स्वाद लेखक को एकदम मीठा तथा अमृत जैसा लगा।

(ग) सुबह बस चलते ही सभी लोगों ने गणपति बप्पा मोरिया का जय घोष किया और गणेश चतुर्थी के दिन पहले सबने गणपति स्मरण किया फिर भजन गूंजने लगे।

(घ) गुरला मांधाता पर्वत देखते ही अबूधाबी से आए राव साहब बोले "अरे बाईं ओर देखो बाई ओर! फैंटास्टिक !" सबने तुरंत बाई ओर मुँह घुमाया तो

अवाक् रह गए। मंदाता पर्वत का सौंदर्य देखकर सबको लगा कि वह सपना देख रहे हैं।

<u>लिखकर</u>

लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर-

(क) टेम्पा ने लेखक के लिए तिब्बती मक्खन वाली नमकीन चाय बनवाई। लेखक को वह चाय बिल्कुल पसंद नहीं आई।

(ख) राक्षस ताल को अपवित्र माना गया है, क्योंकि इसका निर्माण रावण ने किया है।

(ग) मानसरोवर की लहरें सागर की लहरों की तरह उठती हैं। इसे ब्रह्मा ने अपने मानस से रचा और यहाँ देवगण स्नान करने आते हैं।

(घ) कैलाश पर्वत के दर्शन के समय चारों ओर मौन व्याप्त हो गया था। किसी को किसी का ध्यान नहीं रहा।

<u>दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर-</u>

(क) अगर हमें मानसरोवर जाने का अवसर मिले तो हम सर्वप्रथम वहाँ की जलवायु के अनुरूप कपड़े, जूते तथा खाने-पीने का सामान रखेंगे। अपना कैमरा, मोबाइल, चार्जर आदि रखेंगे। एक डायरी और कलम रखेंगे, जिससे वहाँ के यादगार संस्मरण को लिख सकें।

(घ) रावण और गणेश जी की कथा से अहंकार और जिद नहीं करने की सीख मिलती है। रावण ने शिवजी से यह वरदान माँगा कि वह कैलाश को लंका ले जाएगा। इस पर सब देवता परेशान हो गए, क्योंकि अब उन्हें शिवजी के दर्शन के लिए लंका जाना पड़ता। लेकिन प्रभु की माया से ऐसा हुआ कि कैलाश लंका जाने से बच गया। इसलिए हमें कभी भी गलत बात के लिए जिद नहीं करनी चाहिए।